वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में मनाये गये हिन्दी दिवस समारोह की रिपोर्ट

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु 1-14 सितम्बर 2020 तक हिंदी पखवाडा समारोह मनाया गया। 01 सितम्बर 2020 को प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता के साथ हिंदी पखवाडा का शुभारंभ किया गया जिसमें सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। 03 सितम्बर 2020, 04 सितम्बर 2020 और 07 सितम्बर 2020 को अन्य तीन प्रतियोगिताओं जैसे हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिंदी समाचार-पत्र वाचन प्रतियोगिता और हिंदी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों ने भाग लिया।

14 सितम्बर 2020 हिंदी दिवस के दौरान पखवाडे का समापन समारोह मनाया गया। इस समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ.सि.कुञ्जिकण्णन, समूह समन्वयक श्री एस.सेंदिलकुमार, भा.व.से, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष डॉ.ए.सी.सूर्य प्रभा, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के नोडल अधिकारी श्रीमती के.शांति, कनिष्ठ अनुवादक श्रीमती पूंगोदै कृष्णन एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेताओं ने भाग लिया। अन्य सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कार्मिकों ने वेबिनार के माध्यम से भाग लिया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम डॉ.ए.सी.सूर्य प्रभा, वैज्ञानिक-डी एवं अध्यक्ष(राजभाषा कार्यान्वयन समिति) ने सभा में उपस्थित एवं वेबिनर द्वारा भाग ले रहे सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों से हिंदी दिवस समारोह का आयोजन करते आ रहे है और भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिये हम निरंतर प्रयत्न कर रहे है और उसी के फलस्वरूप 2015-16 और 2018-19 वर्ष में राजभाषा के कार्यान्वयन में प्रगति के लिये संस्थान को ICFRE Rajbhasha Award दिया गया। इसके उपरान्त श्रीमती के.शांति, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं हिंदी नोडल अधिकारी ने सभी के समक्ष राजभाषा का वार्षिक प्रगति रिपोर्ट (2019-20) पेश किया।

संस्थान के समूह समन्वयक(अनुसंधान) श्री एस.सेंदिलकुमार, भा.व.से ने अपने भाषण में राजभाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी को राजभाषा के रूप में चुना गया और इसलिये इस दिन को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। पूरे भारत देश में हिन्दी भाषा एक ऐसी भाषा है जिसे भारत के कई राज्यों में 40% लोगों के द्वारा बोली जाती है। हिंदी पूरे देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने वाली भाषा है। हिन्दी एक ऐसी भाषा है जिसे सीखना बहुत सरल है और जिससे अपने विचारों या भावों का लेन-देन सरल तरीके से किया जा सकता है। इसलिए जहाँ तक हो सकें भारत सरकार की नियमों का पालन करते हुये दिन प्रति दिन के कार्यों में राजभाषा का प्रयोग करना चाहिये। उसके बाद संस्थान के निदेशक डॉ.सि.कुञ्जिकण्णन ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया और सभी सहभागिताओं को भी प्रमाणपत्र देकर उन्हें प्रोत्साहित किया। पुरस्कार वितरण के बाद निदेशक जी ने अपने भाषण में संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के लिए बधाई दी और अपने अनुभव द्वारा कहा कि जीवन में भाषा का क्या महत्व है। हिन्दी एक भाषा को सीख लेने से देश के किसी भी कोने में जाकर एक व्यक्ति अपना जीवन व्यतीत कर सकता है। हिन्दी हमारी राजभाषा है इसलिए सभी को हिन्दी सीखने का प्रयास करना चाहिये। प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विजय हुए विजेताओं को बधाईयाँ दी और आगे कहा कि इसी तरह राजभाषा से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर उसके प्रचार-प्रसार में अपना योगदान दें।

समारोह का समापन श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, कनिष्ठ अनुवादक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर
INSTITUTE OF FOREST GENETICS & TREE BREEDING
Forest Campus, R.S.Puram, Coimbatore - 641002
हिंदी दिवस समारोह
HINDI DAY CELEBRATIONS

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर
INSTITUTE OF FOREST GENETICS & TREE BREEDING
Forest Campus, R.S.Puram, Coimbatore - 641002
हिंदी दिवस समारोह
HINDI DAY CELEBRATIONS

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर
INSTITUTE OF FOREST GENETICS & TREE BREEDING
Forest Campus, R.S.Puram, Coimbatore - 641002
हिंदी दिवस समारोह

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर
INSTITUTE OF FOREST GENETICS & TREE BREEDING
Forest Campus, R.S.Puram, Coimbatore - 641002
हिंदी दिवस समारोह

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर
INSTITUTE OF FOREST GENETICS & TREE BREEDING
Forest Campus, R.S.Puram, Coimbatore - 641002
हिंदी दिवस समारोह